हिन्दी प्रादेशिक समाचार
आकाशवाणी चंडीगढ़
4 जून 2024, समय 1810

- हरियाणा और चंडीगढ़ में मतगणना का कार्य लगभग संपन्न हुआ लेकिन परिणाम के आधिकारिक घोषणा होना अभी बाकी।
- हरियाणा में समाचार लिखे जाने तक पांच सीटों पर भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार जबकि शेष 5 सीटों पर कांग्रेस के उम्मीदवार आगे।
- देश भर में एनडीए ने अब तक एक सीट जीती। 296 सीटों पर आगे जबकि कांग्रेस ने 226 सीटों पर बढ़त बनाई।
- केंद्र शास्त्र प्रदेश चंडीगढ़ की एकमात्र संसदीय सीट पर कांग्रेस प्रत्याशी मनीष तिवारी ने 2 हजार 504 मतों से बढ़त बनाई।
- करनाल विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री नरेंद्र सिंह सैनी की जीत लगभग तय।
- बीजेपी प्रत्याशी कृष्ण पाल गुर्जर और मनोहर लाल ने निश्चित होती जीत के लिए लोगों का आभार जताया और प्रदेश में आ रहे चुनाव परिणाम को स्वीकार किया।

हरियाणा और चंडीगढ़ में मतगणना का कार्य शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से सम्पन्न हुआ इसके साथ आज करनाल विधानसभा सीट के लिए भी मतगणना हुई। मतगणना का काम सुबह 8:00 बजे शुरू हुआ है जो सभी मतों की गिनती पूरी होने तक जारी रहा।

हरियाणा की 10 लोकसभा सीटों और चंडीगढ़ की एक लोकसभा सीट पर मतगणना के रुझान सुबह ही मिलनी शुरू हो गए थे और शाम होने तक स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो गई।
हरियाणा, चंडीगढ़ सहित लगभग 10 सीटों पर मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी और कांग्रेस के बीच रहा, जबकि कुरुक्षेत्र विधानसभा सीट से मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी के नवीन जिंदल और इंडी गठबंधन के आम आदमी पार्टी से उम्मीदवार डॉक्टर सुशील गुप्ता के बीच देखने को मिला। हालांकि भाजपा प्रत्याशी नवीन जिंदल ने सुबह से ही डॉक्टर सुशील गुप्ता के मुकाबले बढ़त बनाए रखी। कुरुक्षेत्र लोकसभा सीट से चुनाव लड़ रहे इंडियन नेशनल लोकदल के अभय सिंह चौटाला किसान संगठनों के समर्थन के बावजूद 70 हजार से अधिक वोट ही ले पाए।

इसी तरह सिरसा और रोहतक लोकसभा क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवारों ने बढ़त बनाए रखी। शाम 5 बजे तक कांग्रेस उम्मीदवार कुमारी शैलजा भाजपा प्रत्याशी अशोक तंवर से 2 लाख 67 हजार 826 वोटों की बढ़त बनाए हुईं थीं जबकि रोहतक लोकसभा हलके से कांग्रेस के उम्मीदवार दीपेंद्र सिंह हुड्डा भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी डॉक्टर अरविंद कुमार शर्मा को तीन लाख 17 हजार 989 मतों से पीछे छोड़ चुके थे। इसी तरह करनाल से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार मनोहर लाल शाम 5 बजे तक कांग्रेस प्रत्याशी दीपांशु बुद्धिराजा से 2 लाख 11 हजार 260 मतों की बढ़त हासिल किए हुए थे। तभी कांग्रेस प्रत्याशी दीपेंद्र हुड्डा और कुमारी शैलजा व बीजेपी प्रत्याशी पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल की जीत लगभग तय हो गई थी।

वही अंबाला लोकसभा क्षेत्र से कांग्रेस उम्मीदवार वरुण चौधरी ने शाम होने तक भाजपा प्रत्याशी बंतो कटारिया से लगभग 43 हजार मतों से बढ़त बना ली।

फरीदाबाद से भाजपा प्रत्याशी कृष्णपाल गुर्जर ने शाम होते-होते कांग्रेस के महेंद्र प्रताप सिंह को 1 लाख 64 हजार 771 मतों से पछाड़ते हुए अपनी जीत लगभग तय कर ली। गुरुग्राम क्षेत्र से बड़े रोचक रुझान देखने को मिले दिन में कांग्रेस प्रत्याशी राज बब्बर ने भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह पर बढ़त बनाए रखी, लेकिन शाम होते-होते भाजपा प्रत्याशी राज बब्बर भाजपा प्रत्याशी राव इंद्रजीत सिंह से 84578 वोटो से पीछे गए।

सोनीपत क्षेत्र में कांग्रेस उम्मीदवार सतपाल ब्रह्मचारी और भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार मोहनलाल बडोली के बीच मुकाबला दिलचस्प बना रहा।

दोनों प्रत्याशी दिनभर कुछ हजार मतों से एक दूसरे से आगे पीछे होते रहे, लेकिन शाम होने तक मोहनलाल बडोली सतपाल ब्रह्मचारी से 20 हज़ार 711 मतों से बिछड़ गए।

उधर, हिसार लोकसभा क्षेत्र में शाम होने तक कांग्रेस उम्मीदवार जय प्रकाश ने बीजेपी प्रत्याशी रणजीत सिंह चौटाला को 52 हजार 759 मतों से पीछे छोड़ दिया।

भिवानी महेंद्रगढ़ लोकसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार धर्मवीर सिंह कांग्रेस उम्मीदवार राव दान सिंह पर 40 हजार 689 की मतों की बढ़त बनाए हुए थे।

इस बार के लोकसभा चुनाव में क्षेत्रीय दल अच्छी कारगुजारी नहीं दिखा सके और अधिक और अधिकतर सीटों पर उन्हें उम्मीद से बहुत कम मतों पर संतोष करना पड़ा और दोपहर होने तक मुकाबले से लगभग बाहर हो गए।

केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ की एकमात्र संसदीय सीट पर समाचार लिखे जाने तक कांग्रेस प्रत्याशी मनीष तिवारी भाजपा प्रत्याशी संजय टंडन के मुकाबले 2504 मतों की बढ़त बनाए हुए थे मनीष तिवारी को 21657 वोट मिले जब के संजय टंडन को 214153 मत हासिल हुए वोटो की गिनती अभी जारी थी।

बहुजन समाज पार्टी की ऋतु सिंह केवल 6708 वोटिंग हासिल कर पाई। चंडीगढ़ में नोटा पर 2912 वोट डाले गए जबकि कई आजाद उम्मीदवारों की जमानत जब्त होती दिखाई दी।
हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने करनाल विधानसभा चुनाव में मिल रही जीत पर संतोष व्यक्त किया है और लोगों का आभार व्यक्त किया है।

श्री सैनी कांग्रेस से अपने प्रतिद्वंदी त्रिलोचन सिंह से 41483 मतों से आगे हैं। श्री नायक सैनी को समाचार लिखे जाने तक 94714 वोट मिले जबकि कांग्रेस के त्रिलोचन सिंह को 53231 मत हासिल हुए जबकि अन्य उम्मीदवारों को बहुत कम वोट हासिल हुए।

फरीदाबाद लोकसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी कृष्ण पाल गुर्जर और करनाल से लोकसभा प्रत्याशी मनोहर लाल ने अपनी जीत को निश्चित देखते हुए मतदाताओं का मतदाताओं का आभार जताया।

शाम होने से पहले ही कृष्ण पाल गुर्जर ने मीडिया से बातचीत में कहा कि वह लोगों द्वारा उन पर तीसरी बार विश्वास जताने के लिए धन्यवाद करते हैं। श्री गुर्जर ने कहा कि जनता ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकास के मुद्दे को पसंद किया है और बीजेपी के पक्ष में मतदान किया
पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल ने भी अपनी और मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी की बड़े अंतर से तय हुई जीत के लिए आभार व्यक्त करते हुए कहा कि अगर कोई कमियां रह गई हो तो उन्हें विश्लेषण के बाद दूर किया जाएगा। उन्होंने कहा कि हरियाणा में लगभग 6 सीटों पर उनकी जीत तय है जबकि चार सिम कांग्रेस के खाते में गई है। श्री मनोहर लाल ने कहा कि वह जनता के निर्णय को स्वीकार करते हैं।

हरियाणा में 91 मतगणना केन्द्रों और चंडीगढ़ में एक मतगणना केंद्र पर वोटो की गिनती का काम पूरा किया गया। मतगणना केन्द्रों के आसपास सुरक्षा के कड़े प्रबंध किए गए थे। तीन स्तरीय सुरक्षा घेरे में मतगणना का कार्य संपन्न किया गया। प्रथम स्तर पर केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल के जवान तैनात रहे जबकि दूसरे स्तर पर हरियाणा सशस्त्र पुलिस एवं आईआरबी के जवान तैनात रहे। तथा तीसरे स्तर पर जिला पुलिस ने मोर्चा संभाले रखा।

44 स्थानों पर बने प्रदेशभर के मतगणना केन्द्रों पर पुलिस कर्मियों के अलावा 15 केंद्रीय सशस्त्र पुलिसवालों की कंपनियां तैनात की गई और मतगणना केन्द्रों में सीसीटीवी कैमरे लगाए गए

ताकि प्रत्येक गतिविधि पर कड़ी नजर रखते हुए निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतगणना संपन्न कराई जा सके।

अब एक नजर अन्य राज्यों के लोकसभा चुनाव के मिल रहे रुझानों पर हिमाचल प्रदेश में सभी चार सीटों पर भाजपा आगे चल रही है। पंजाब की 13 में से कांग्रेस 7 पर, आम आदमी पार्टी 3 पर, शिरोमणि अकाली दल एक पर और निर्दलीय दो पर आगे हैं। राजधानी दिल्ली की सभी सात सीटों पर भाजपा आगे है। राजस्थान की 25 में से 14 सीटों पर भाजपा, 8 पर कांग्रेस तथा सी पी एम, बी ए डी वी पी और आर एल टी पी एक-एक सीट पर बढ़त बनाए हुए हैं।

उत्तर प्रदेश की 80 में से 36 पर भाजपा, 33 पर समाजवादी पार्टी, 7 पर कांग्रेस, 2 पर आरएलडी तथा एडीएल और आजाद समाज पार्टी -काशीराम एक-एक सीट पर आगे हैं।